RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 187
दि. 08.11.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

आजादी के मंत्र को बढ़ाने में सफल हुआ वन्दे मातरम - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आजादी के आंदोलन का मंत्र बने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने इस दिवस को स्मृति दिवस के रूप में आयोजित करने के लिए देशवासियों को नई प्रेरणा दी। सीएम ने कहा कि वन्दे मातरम भारत की आजादी का अमर मंत्र बन गया था। उस दौरान विदेशी हुकूमत के द्वारा दी जाने वाली अनेक यातनाओं, प्रताड़नाओं की परवाह किए बिना भारत का हर नागरिक (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारी) वन्दे मातरम गीत के साथ गांव, नगर, प्रभातफेरी के माध्यम से भारत की सामूहिक चेतना के जागरण के अभियान से जुड़ चुका था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। इस दौरान राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ और स्वदेशी का संकल्प भी लिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लोकभवन में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा।

सीएम योगी ने 100 वर्ष पूर्व देश के अंदर आई महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भारत की आबादी कुल 30 करोड़ थी और इस महामारी से मरने वालों की संख्या भी करोड़ों में थी। गांव के गांव साफ हो गए थे। स्वतंत्र भारत में कोविड जैसी महामारी का संक्रमण भी दुनिया ने झेला है। इस महामारी के दौरान शासन-प्रशासन हो या अल्पवेतन भोगी, जान की परवाह किए बिना सभी के मन में एक ही भाव था कि इसे नियंत्रित करना है और इसके समाधान का रास्ता निकालना है। सीएम योगी ने कहा कि भारत और भारतीयता, नागरिकों के बारे में संवेदनशील तरीके से वह नेतृत्व ही सोच सकता है, जो उस भावना से ओतप्रोत हो।

आजादी के मंत्र को बढ़ाने में सफल हुआ वन्दे मातरम

सीएम योगी ने कहा कि 1875 में रचा गया यह गीत केवल आजादी का ही गीत नहीं रहा, बल्कि देश के अंदर आजादी के मंत्र को बढ़ाने में भी सफल हुआ। वन्दे मातरम गीत संस्कृत व बांग्ला की सामूहिक अभिव्यक्ति को भले ही प्रदर्शित करता हो, लेकिन यह संपूर्ण भारत को राष्ट्र माता के भाव के साथ जोड़ने का अमर गीत बन गया। इसने भारत की शाश्वत अभिव्यक्ति को देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया था। सीएम ने कहा कि जब विदेशी हुकूमत ने 1905 में बंग-भंग के माध्यम से भारत की भुजाओं को काटने का

दुस्साहिक निर्णय लिया था, उस समय भी इस गीत ने पूरे भारतवासियों को एकजुट होकर प्रतीकार करने की प्रेरणा दी। उसके बाद के कालखंड में जब भी किसी क्रांतिकारी ने फांसी के फंदे को चूमा, तब उसके मुख से वंदे मातरम मंत्र ही निकलता रहा।

वन्दे मातरम ने किया संपूर्ण भारत की सामूहिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व

सीएम योगी ने कहाकि भारत की आजादी के आंदोलन के दौरान भी जब स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने कोई स्लोगन, फ्लैग दिया तो वन्दे मातरम उसका स्वर बना। वन्दे मातरम संपूर्णभारत की सामूहिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने वाला मंत्र बना। इस गीत ने हर भारतीय के मन में यह भाव रचने का प्रयास किया कि व्यक्ति जाति-मत-मजहब से ऊपर उठकर राष्ट्र के बारे में सोच सके और राष्ट्रप्रथम के भाव के साथ राष्ट्रमाता के प्रति सामूहिक अभिव्यक्ति हो। सीएम योगी ने वंदे मातरम को भारत की भक्ति-शक्ति के सामूहिक शाश्वत अभिव्यक्ति का सामूहिक स्वरूप बताया। सीएम ने कहा कि वन्दे मातरम के अमरगीत के साथ उसके 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हम सभी इसके रचयिता को भी याद कर रहे हैं। संविधान सभा ने इस गीत को 24 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी।

यह अमर गीत भारत को नई दिशा देने में हुआ है सफल

सीएम योगी ने कहा कि यह भले ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के आनंद मठ के उस अमर उपन्यास पर आधारित है, जिन्होंने भारत व बंगाल में उस दौरान भूख से तड़पती, अकाल-अभाव से ग्रसित जनता के उन स्वरों को, जिसे संन्यासियों ने बाद में आंदोलन का रूप दिया। लेकिन वास्तव में यह अमर गीत भारत को नई दिशा देने व भारत की सामूहिक चेतना को आगे बढ़ाने में सफल हुआ है। आज इसके 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। यह गीत 150 वर्ष से भारत को प्रतिनिधित्व देते हुए नई राष्ट्रीयता का भाव पैदा करने में सफल हुआ है।

कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है वन्दे मातरम

सीएम योगी ने कहा कि हम सब वन्दे मातरम का हिस्सा हो सकते हैं। वन्दे मातरम किसी उपासना विधि, किसी जाति-व्यक्ति का महिमा मंडन करने के प्रति नहीं, बल्कि हमारे कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है। सीएम ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा 26 नवंबर 1949 को भारत के संविधान की ड्राफ्टिंग प्रति सौंपने का भी जिक्र किया। सीएम ने पीएम मोदी के उस कथन की चर्चा की अैर कहा कि हम देश में रहते हैं, अधिकारों की बात करते हैं पर क्या कभी कर्तव्य के बारे में स्मरण किया है। कर्तव्य ऐसा हो, जो वर्तमान व भावी पीढ़ी के भविष्य को भी उज्ज्वल बना सके। वन्दे मातरम राष्ट्रमाता के प्रति हमारे कर्तव्यों के प्रति हमें आग्रही बनाता है।

वंदे मातरम के 150 साल होने पर बोले पीएम मोदी, 'मां भारती की साधना का स्वर'

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर एक साल चलने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पीएम ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है। यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। बंकिमचंद्र चटर्जी के लिखे राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरा होने पर देश भर में इसके लिए उत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि यह गीत भारतीयों की आत्मा का आवाज है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि मां भारती की अराधना का राष्ट्रीय स्वर यह गीत है। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं है करोड़ों भारतीयों के लिए यह एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है। वंदे मातरम, ये शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा कि वंदे मातरम का जब भी हम उल्लेख करते हैं, तो ये शब्द हमें इतिहास में ले जाता है। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता संग्राम से लेकर हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है। यह हर भारती के भविष्य को नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें।'

पीएम ने विभाजन की पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा, '1937 में वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण पदों, उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। 'वंदे मातरम' को तोड़ दिया गया था। इस विभाजन ने देश के विभाजन के भी बीज बो दिए थे। राष्ट्र-निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है। विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।'

पीएम ने कहा कि राष्ट्र को एक जियोपॉलिटिकल एंटिटी मानने वालों के लिए राष्ट्र को मां मानने वाला विचार हैरानी भरा हो सकता है। भारत अलग है, भारत में मां जननी भी है और पालनहारिणी भी है। और अगर संतान पर संकट आ जाए तो मां संहार कारिणी भी है।

स्मृति मंधाना, जेमिमा और राधा यादव पर करोड़ों की बारिश! महाराष्ट्र सरकार ने ऐसे जीता फैंस का दिल

(जीएनएस)।

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर देश का नाम रोशन करने वाली भारतीय खिलाड़ियों की लगातार प्रशंसा की जा रही है। महिला क्रिकेट टीम की तीन अहम खिलाड़ियों को शुक्रवार यानी 7 नवंबर को महाराष्ट्र सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। मुंबई पहुंचने के बाद स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने सम्मानित किया।

इन तीनों खिलाड़ियों को उनके मैच जिताऊ प्रदर्शन की पहचान के तौर पर शॉल और गुलदस्ते के साथ-साथ हर खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का चेक दिया गया। यह सम्मान समारोह भारतीय महिला क्रिकेट की ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने और इन खिलाड़ियों के योगदान को सराहने के लिए आयोजित किया गया था। इस दौरान जेमिमा रोड्रिग्स के माता-पिता भी मौजूद थे।

इन तीनों खिलाड़ियों का वर्ल्ड कप में प्रदर्शन शानदार रहा था। स्मृति मंधाना ने टीम की बैटिंग की कमान बखूबी संभाला। वह टूनामेंट में 434 रनों के साथ दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उनका औसत 54.25 रहा। वहीं जेमिमा

रोड्रिग्स ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 127 रनों की अविजित पारी खेलकर इतिहास रच दिया। यह पारी महिला वनडे रन चेज में किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

इसके साथ ही जेमिमा विश्व कप नॉकआउट मुकाबले की सफल रन-चेज में शतक बनाने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गईं। भारतीय टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता था।

इस यादगार फाइनल में शैफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट' घोषित किया गया था। खिताब जीतने के बाद मैदान पर पूर्व क्रिकेटर मिताली राज और झूलन गोस्वामी भी खिलाड़ियों के साथ जश्न में शामिल हुई थीं।

भाई वीरेंद्र को भारी पड़ी पोलिंग बूथ पर 'गुंडागर्दी'! दारोगा को धमकी के बाद पुलिस ने लिया एक्शन!

बिहार विधानसभा चुनाव की वोटिंग के दौरान पटना के मनेर विधानसभा क्षेत्र में RJD के उम्मीदवार भाई वीरेंद्र पर एक गंभीर मामला दर्ज किया गया है। उन पर पोलिंग बूथ पर ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी को कथित तौर पर गाली देने और जिंदा जलाने की धमकी देने का आरोप है। यह घटना तब हुई जब सुरक्षाकर्मी एक बुजुर्ग महिला की मदद कर रहा था। इस हाई-प्रोफाइल घटना को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का घोर उल्लंघन मानते हुए, अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और RJD नेता के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। यह पूरी घटना पटना जिले के मनेर विधानसभा क्षेत्र में मनेर पुलिस स्टेशन के तहत माहिनवा के बूथ नंबर 79, 80 और 81 पर हुई। दानापुर के सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (रऊ्ढड)-क्क अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि विवाद तब शुरू हुआ जब सुरक्षाकर्मी भरत तिवारी एक बुजुर्ग महिला की मदद कर रहे थे।

महिला ने अपना आईडी कार्ड दिखाया था और सही पोलिंग बूथ के बारे में पूछ रही थी।

बिहार चुनाव : बंपर वोटिंग ने प्रशांत किशोर के चेहरे पर लाई मुस्कान, जनसुराज को लेकर किया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों पर पूरे देश की नजर है। पहले फेज में हुई बंपर वोटिंग ने सबको हैरत में डाल दिया है। इसके साथ नेताओं के दावों का दौर भी शुरू हो गया है। पहले फेज में पिछली बार की तुलना में लगभग 5 फीसदी ज्यादा मतदान हुआ है। प्रशांत किशोर ने मतदान में बढ़ोतरी को लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत बताते हुए कहा कि अब प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। नीतीश कुमार और लालू यादव दोनों से जनता परेशान हो चुकी है।

पीके ने गयाजी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अब तक लोग नीतीश कुमार को सिर्फ जंगलराज लौटने के डर से वोट देते रहे हैं। इस बार जनता के पास जनसुराज के रूप में एक विकल्प है और जनता ने बदलाव के लिए अपनी उत्साही भागीदारी दिखा दी है। इधर तेजस्वी यादव और एनडीए के नेता भी

दावा कर रहे हैं कि प्रचंड बहुमत से उनकी सरकार बनने वाली है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में हुई बंपर वोटिंग के बाद प्रशांत किशोर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लालू यादव के बाद लोगों ने नीतीश कुमार को मौका दिया। इसके बाद सिर्फ इस डर से वोट देने लगे कि लालू यादव का जंगलराज फिर न आ आए। गयाजी में मीडिया मे बात करते हुए पीके ने कहा, 'छठ के बाद घर लौटे मजदूर, युवा और जेन-जी वोटर्स बड़ी संख्या में मतदान के लिए निकले हैं। बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है और इस बार बदलाव होकर रहेगा।'

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ है और इस जबरदस्त आंकड़े ने राजनीतिक विश्लेषकों को भी हैरान कर दिया है।

- महिलाओं और युवाओं के अलावा बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी मतदान किया है।

- 18 जिलों के 121 विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान में कुल मतदाताओं की संख्या 3.75 करोड़ से अधिक है। पिछले चुनाव की तुलना में यह 5 फीसदी की बढ़त है।

- मुजफ्फरपुर में सर्वाधिक 70.96% मतदान दर्ज किया गया। इसके बाद समस्तीपुर में 70.63% और वैशाली में 67.37% मतदान हुआ।

'तस्करी, गुप्त नेटवर्क पाकिस्तान की आदत', परमाणु को लेकर ट्रंप के दावे पर भारत का करारा जवाब

(जीएनएस)।

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के गुप्त परमाणु परीक्षणों को लेकर किए गए सनसनीखेज दावे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साथ पाकिस्तान भी चोरी-छिपे परमाणु परीक्षण कर रहा है। उनके इस बयान पर भारत ने तुरंत अपनी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय (टएअ) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास हमेशा से गैरकानूनी और छिपी हुई परमाणु गतिविधियों से भरा रहा है, और भारत इस बारे में दुनिया को लगातार आगाह करता आया है। ट्रंप के इस दावे ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और भारत ने इसे 'नोट' किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे के बाद, भारत ने पाकिस्तान के परमाणु इतिहास पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की दशकों पुरानी परमाणु गतिविधियां, जैसे कि तस्करी, एक्सपोर्ट कंट्रोल का उल्लंघन, गुप्त सहयोग और कुख्यात एक्यू खान नेटवर्क का परमाणु प्रसार रिकॉर्ड रहा है। भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान की इन्हीं गैरकानूनी कार्रवाइयों की ओर खींचा है। इस संदर्भ में, भारत ने ट्रंप के बयान को गंभीरता से लिया है, जो पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की संदिग्ध प्रकृति को फिर से उजागर करता है। भारत का यह बयान पाकिस्तान की परमाणु जवाबदेही पर दबाव बढ़ाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 नवंबर को उइर के कार्यक्रम "60 ट्रल्ल४३ीर" में एक सनसनीखेज दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देश गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, जबकि अमेरिका इस क्षेत्र में पिछड़ रहा है। हालांकि ट्रंप ने अपने दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया, लेकिन उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर अटकलें तेज हो गईं। चर्चा शुरू हो गई कि पाकिस्तान ने अप्रैल-मई 2025 के दौरान गुप्त परीक्षण किया होगा, जब अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर लगातार कई मध्यम तीव्रता के भूकंप (4.0 से 4.7) दर्ज किए गए थे। इन भूकंपों को 1998 के चागाई-कऔर चागाई-क्कपरमाणु परीक्षणों से भी जोड़ा गया।

ट्रंप के दावे के बाद, अप्रैल से मई 2025 के बीच अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में आए 4.0 से 4.7 तीव्रता वाले कई भूकंपों ने संदेह को और गहरा कर दिया है।

सम्पादकीय

इसरो के बहुबली ने खोले सम्भावनाओं के द्वार

इसरो 'गगनयान मिशन' की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय भेजने की योजना बना रहा है। इसरो का बाहुबलीः विज्ञान और संकल्प की उड़ान इसरो ने अपने सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 (जीसैट 7 आर) को एलवीएम3- एम5 रॉकेट के माध्यम से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष वेंद्र से 02 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है, जिसे 'बाहुबली रॉकेट' (43.5 मीटर ऊंचा और करीब 640 टन वज़नी एलवीएम-3 रॉकेट) नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इसरो ने 2019 में नौसेना के लिए इस उपग्रह के विकास के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जो 2013 में प्रक्षेपित किए गए जीसैट- 7 रुक्मिणी की जगह लेगा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस रॉकेट में दो एस-200 ठोस बूस्टर, एल-110 द्रव ईंधन वाला कोर स्टेज और सी-25 ायोजेनिक इंजन लगा है, जो इसे भारत का सबसे शक्तिशाली लॉन्च वाहन बनाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह उपग्रह 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक सशक्त पहल है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीसैट- 7आर परियोजना, भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की भावना को साकार करती है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि सीएमएस-03 की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण में भी विश्व स्तरीय स्तर पर खड़ा हो चुका है, और भविष्य में यह क्षमता मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशनों तथा गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए मजबूत आधार बनेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो इस कामयाबी से इसरो को आगामी महत्वाकांक्षी अभियानों के लिए जरूरी आत्मविश्वास भी मिल सकेगा। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि यह मिशन भारत के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि पहली बार इतनी भारी क्षमता वाला संचार उपग्रह पूरी तरह स्वदेशी प्रक्षेपण यान से भूसामान्य स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया। इस उपग्रह का वजन लगभग 4,410 किलोग्राम है, और यह भूसमकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। ध्यातव्य है कि एलवीएम 3 रॉकेट को 'बाहुबली' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह भारी वजन के उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता रखता है। एलवीएम-3 रॉकेट की तीन चरणीय संरचना में दो ठोस रॉकेट बूस्टर एस-200, एक एल 110 और एक व्रायोजेनिक चरण सी- 25 शामिल हैं। यह रॉकेट इसरो को 4,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले उपग्रहों को जीटीओ तक भेजने में सक्षम बनाता है, जिससे भारत को विदेशी देशों से उपग्रह प्रक्षेपण सेवाएं प्राप्त करने पर निर्भरता कम होती है। गौरतलब है कि इस रॉकेट के पिछले सफल मिशन में चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण शामिल था, जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना। बहरहाल, यदि हम यहां पर सीएमएस-03 उपग्रह की बात करें तो यह एक मल्टी-बैंड संचार उपग्रह है, जिसे भारत की संचार अवसंरचना बेहतर बनाने के लिए भेजा गया है। वास्तव में, यह उपग्रह कई सेवाओं के लिए किफायती और प्रभावी तरीके से जीटीओ में स्थित होगा, जिससे भारत की दूरसंचार और संचार सेवाओं में सुधार होगा। इसका उद्देश्य न केवल देश के दूरसंचार नेटवर्व सुदृढ़ करना है, बल्कि संचार सेवाओं की गुणवत्ता और विस्तार को बढ़ावा देना भी है। वास्तव में, सीएम एस-3(जीसैट-7 आर) कम्युनिकेशन सैटेलाइट नौसेना का सबसे एडवांस्ड सैटेलाइट है, जिससे नौसेना की समुद्री इलाके में निगरानी की क्षमता मजबूत होगी। यानी एक तरह से यह सैटेलाइट समुद्र में सेना के लिए आंख का काम करेगी। जानकारी के अनुसार इस सैटेलाइट मेंअत्याधुनिक स्वदेशी घटक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इसमें उच्च क्षमता वाले ट्रांसपोंडर आवाज , डेटा और वीडियो लिक को एक साथ संचालित कर सवेंगे। इससे मल्टीबैंड कम्युनिकेशन सपोर्ट मिलेगा, जिससे नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों और समुद्री संचालन वेंद्रों के बीच सुरक्षित और निर्बाध संपर्व बना रहेगा। इतना ही नहीं, इससे भारतीय महासागर क्षेत्र में व्यापक टेलीकम्युनिकेशन कवरेज संचालित करने में भी मदद मिलेगी।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती - जनजातीय गौरव वर्ष का उत्सव

● मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी से एकता नगर तक आयोजित होने वाली जनजातीय गौरव यात्रा को प्रस्थान कराया

● विधानसभा अध्यक्ष तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों की प्रेरक उपस्थिति

● 7 से 13 नवंबर तक अंबाजी से एकता नगर तथा उमरगाम से एकता नगर तक कुल 1,378 किलोमीटर की जनजातीय गौरव यात्रा का विशेष आयोजन

● राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य के साथ राज्य के गाँवों में भ्रमण करेगी यात्रा

● स्वतंत्रता संग्राम में अग्रसर रहे आदिवासी बांधवों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल के भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

● जिसे कोई न पूछे, उसे मोदी पूजते हैं

● स्वतंत्रता वीर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की परंपरा प्रधानमंत्री ने शुरू कराई है

गांधीनगर, 07 नवंबरःमुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की डेढ़ सौवीं जयंती के उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित हो रही जनजातीय गौरव यात्रा का शुक्रवार को अंबाजी से प्रारंभ कराते हुए कहा कि जिसे कोई न पूछे, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पूजते हैं।

श्री पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अग्रसर रहे आदिवासियों को प्रधानमंत्री ने अमृतकाल के भारत की इस विकास यात्रा में भागीदार बनाया है। इतना ही नहीं; स्वतंत्रता वीर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की नई परंपरा भी उन्होंने 2011 से स्थापित की है।

आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा की अगुवाई में आदिजातियों के ऐतिहासिक योगदान को आज की पीढ़ी जाने तथा उससे राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा प्राप्त करे; इस उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस वर्ष को 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उत्सव के उपलक्ष्य में 1 से 15 नवंबर, 2025 के दौरान 'जनजातीय गौरव वर्ष महोत्सव' के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 7 से 13 नवंबर तक राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में जनजातीय गौरव यात्रा निकाली जाएगी; जिसमें रूट नंबर 1 उमरगाम से एकता नगर तक 665 किलोमीटर तथा रूट नं. 2 अंबाजी से एकता नगर तक 713 किलोमीटर सहित कुल 1,378 किलोमीटर में आदिजाति क्षेत्र को समाविष्ट करते हुए इस 'जनजातीय गौरव रथयात्रा' का विशेष आयोजन किया गया है।

इस यात्रा के दौरान जनजातीय गौरव रथ जिन गाँवों में जाएगा, वहाँ लोगों द्वारा स्वागत किया जाएगा तथा रात्रि विराम स्थलों पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर नाटक मंचन, प्रदर्शन होंगे तथा केन्द्र-राज्य सरकार की योजनागत जानकारी भी लोगों को दी जाएगी।

यात्रा के माध्यम से उसके रूट पर स्थित गाँवों में स्वास्थ्य जाँच शिविर, सेवा सेतु, सामूहिक स्वच्छता सहित अनेक सेवाभावी कार्यक्रम जन भागीदारी से आयोजित होंगे। बच्चे, युवा तथा समग्र समाज भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र से परिचित हों; ऐसे कार्यक्रम भी इस यात्रा के दौरान होने वाले हैं।

इसके अतिरिक्त; भगवान बिरसा मुंडा द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए दिए गए योगदान पर चित्रकला तथा वक्तव्य प्रतियोगिता, नाटक-भवाई एवं उनके जीवन पर आधारित व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शन भी राज्य सरकार के विभागों द्वारा आयोजित होने वाले हैं। 14 आदिजाति जिलों के अलावा 20 जिलों में 13 से 15 नवंबर के दौरान जनजातीय गौरव वर्ष उत्सव के विभिन्न कार्यक्रम होने वाले हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अंबाजी धाम से इस गौरव यात्रा को प्रस्थान कराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में आदिवासियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए अनेक कल्याण कार्यक्रम साकार किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में आदिजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्कर्ष के लिए शुरू कराई गई वनबंधु कल्याण योजना की अवधि को राज्य सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ 2025 तक बढ़ाया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि पीएम जनमन अभियान में राज्य के आदिम समूहों को प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास, आदिम समूह बस्तियों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए 21 मोबाइल टावर्स तथा 4जी सेवाएँ मिल रही हैं।

उन्होंने आदिकर्मयोगी अभियान अंतर्गत राज्य के 1 लाख 40 हजार से अधिक लोगों द्वारा आदिवासी ग्राम विजन 2030 तैयार करने में सहभागी होकर आदिजाति गाँवों के सर्वांगीण विकास का विलेज एक्शन प्लान तैयार किए जाने की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत@2047 में इन आदिवासियों के उत्थान एवं योगदान; दोनों को महत्वपूर्ण बताया। इसके लिए उन्होंने वोकल फॉर लोकल द्वारा अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तथा स्थानीय आदिवासी हस्तकला एवं कारीगरी, खान-पान को प्रोत्साहन देकर जनजातीय गौरव को उजागर करने का भी आ'ान किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडाजी आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्तित्व रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन द्वारा धर्म, संस्कृति एवं आदिवासी पहचान को बनाए रखने के अविरत प्रयास किए। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों तथा अंधविश्वास को दूर करने के लिए जनजागृति फैलाई थी।

श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने शिक्षा के प्रसार को विशेष महत्व दिया था और व्यसनमुक्ति के लिए अभियान चलाकर समाज सुधार का कार्य किया था। उन्होंने आश्रम की स्थापना कर समाज को एक नई दिशा दी थी, जो आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा देती है। भगवान बिरसा मुंडा ने अनेक मुश्किलों के बीच भी अंग्रेज सरकार की दमन नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई थी। उनके संघर्षमय जीवन से हम राष्ट्रीय एकता, आत्सम्मान तथा न्याय के लिए लड़ने की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। भगवान बिरसा मुंडा का योगदान भारत के इतिहास में अमर रहेगा।

आदिजाति विकास तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री श्री पूनमचंद बरंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडाजी का जीवन संघर्ष, सेवा एवं समर्पण का रहा है। उन्होंने आदिवासी समाज को आत्मविश्वास तथा एकता का बल दिया था। आज राज्य सरकार आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए आदिजाति क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जनजातीय गौरव यात्रा के शुभारंभ अवसर पर राज्य मंत्री सर्वश्री प्रवीणभाई माली, स्वरूपजी ठाकोर, कमलेशभाई पटेल, रमेशभाई कटारा, अग्रणी श्री रत्नाकरजी, राज्यसभा सदस्य श्री बाबूभाई देसाई, श्रीमती रमीलाबेन बारा, विधायक श्री अनिकेतभाई ठाकर,आदिजाति विभाग की प्रधान सचिव श्री शाहमीना हुसैन, पूर्व मंत्री श्री कुबेरभाई डिंडोर, श्री हरिभाई चौधरी, जिला कलेक्टर श्री मिहिर पटेल, जिला विकास अधिकारी श्री एम. जे. दवे, जिला पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सुंबे सहित अधिकारी, महानुभाव, बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के अग्रणी एवं लोग उपस्थित रहे।

वंदेमातम राष्ट्रीय गीत की 150 वीं वर्षगांठ

आनंदमठ की रचना की वह रात्रि
जब वंदे मातरम जन्मा

बंगाल के एक छोटे से कस्बे में, डिप्टी मजिस्ट्रेट बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय अपने सरकारी आवास में बैठे थे।

टेबल पर कुछ कागज फैले थे, पास में दीपक टिमटिमा रहा था,और बाहर शरद की हवा में हिलते वृक्षों की शाखाएँ जैसे कोई गीत गा रही थीं।

पर उस रात का गीत कोई सामान्य गीत नहीं था —

वह भारतमाता की आत्मा की पुकार थी,

जो बंकिमचंद्र जी के हृदय में उतर रही थी

दिनभर वे 'आनंदमठ' के कथानक पर सोचते रहे थे।

उनके मन में एक कथा थी संन्यासियों की, जो तलवार उठाते हैं विदेशी अत्याचार के विरुद्ध!

पर वह कथा अधूरी थी,उन्हें महसूस हुआ — इस कथा को शक्ति चाहिए, भाव चाहिए, प्राण चाहिए!

वे खिड़की से बाहर देखने लगे।

रात्रि के मौन में उन्हें अपनी भूमि की गंध महसूस हुई —

गंगा की नमी, खेतों की हरियाली, हवा की ठंडक, वृक्षों की छाया — सबमें एक ही भावना थी — माँ!भारत मां!

अचानक उनके भीतर एक स्वर उठा —

धीमा, पर गूंजता हुआ —

'वंदे मातरम्!'

वे चौंके — यह शब्द उन्होंने न सोचा था, न लिखा था।

यह जैसे भीतर से किसी ने बोला हो।

उन्होंने कलम उठाई — और वही शब्द लिख दिए।

'वंदे मातरम्।'

एक पंक्ति लिखते ही उनकी आँखें नम हो गईं।

उनके चारों ओर का वातावरण जैसे बदल गया।

वह टेबल, वह दीपक, वह रात्रि —सब किसी दैवी उपस्थिति से भर गए।

उन्होंने अगली पंक्ति लिखी —

'सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्,

शस्य श्यामलाम् मातरम्।'

शब्द बहने लगे, जैसे कोई संगीत अपने आप जन्म ले रहा हो। हर पंक्ति में भारत की मिट्टी, उसकी नदियाँ, उसके खेत, उसके फूल, उसके बच्चे सब गूंज उठे।

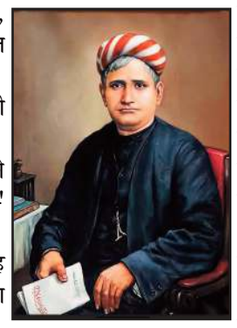

धीरे-धीरे पूरी कविता पूर्ण हुई।

और जब उन्होंने अंतिम बार 'वंदे मातरम्' कहा,

तो लगा — यह उनकी नहीं, भारतमाता की वाणी है।

सुबह जब सूरज उगा,

बंकिमचंद्र ने अपनी आँखें बंद कर कहा 'अब मेरा कर्तव्य पूर्ण हुआ।'

उन्हें क्या पता था कि यह कुछ पंक्तियाँ

आने वाले सदी तक भारत के प्रत्येक आंदोलन, प्रत्येक बलिदान और प्रत्येक रणघोष की आत्मा बन जाएँगी।

वह रात केवल साहित्य की नहीं थी, वह आध्यात्मिक सृजन की रात थी। मां सरस्वती के आशीष की रात थी

बंकिमचंद्र जी ने उस रात कविता नहीं लिखी —

उन्होंने एक संस्कार लिखा,

जो आने वाली पीढ़ियों की नसों में प्रवाहित हो गया।

'वंदे मातरम्' — यह दो शब्द मात्र नहीं थे, यह उस भारतभूमि का पहला राष्ट्रीय नाद था, जिसने सोए हुए राष्ट्र को उसकी अस्मिता का बोध कराया।

यह वह पुकार थी, जिसमें गुलामी की बेड़ियाँ टूटने लगीं और हर भारतीय के हृदय में स्वाधीनता की ज्वाला प्रज्वलित हुई।

वस्तुतः वन्देमातरम् बंकिम जी के उपन्यास आनन्द मठ के अंदर लिखा एक गीत है जो अजर अमर हो गया

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय (1838-1894) न केवल एक महान साहित्यकार थे, बल्कि राष्ट्रजागरण के अग्रदूत भी थे। 1905 में बंग-भंग के समय जब राष्ट्र दो हिस्सों में बाँटने की साज़िश हुई, तो यह गीत बंगाल से लेकर पंजाब तक, और मद्रास से लेकर गुजरात तक क्रांति का गान बन गया।हर जुलूस, हर सत्याग्रह, हर बलिदान से पहले 'वंदे मातरम्' की गूँज होती थी।

यही कारण था कि लाला लाजपत राय, अरविंद घोष, बाल गंगाधर तिलक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गणेशशंकर विद्यार्थीऔर यहाँ तक कि गांधीजी तक — सभी ने इसे भारतीयों की आत्मा की आवाज कहा।

'वंदे मातरम्' ने भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को दिशा दी, और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को 'भारत का राष्ट्रगायकह्न बना दिया।

1838 में बंगाल के कंथलपाड़ा (नैहाटी) में जन्मे बंकिमचंद्र भारत के पहले भारतीय कठर अधिकारी थे।

परंतु अंग्रेजी शासन की निकटता ने उन्हें यह अनुभव कराया कि भारत को केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता चाहिए।

उन्होंने साहित्य को साधन बनाया और अपने उपन्यासों के माध्यम से समाज में नवचेतना भर दी।

उनके उपन्यास — आनंदमठ, विषवृक्ष, देवी चौधरानी, कृष्णकांतर विल — सभी में देशभक्ति, नारीशक्ति और आत्मगौरव की भावना मुखर है।

'आनंदमठ' में उन्होंने साधुओं की एक ऐसी कथा रची जो विदेशी सत्ता के विरुद्ध खड़ी होती है — और उसी कथा में 'वंदे मातरम्' जन्म लेता है।

स्वतंत्र भारत में जब राष्ट्रगान तय किया गया, तब 'वंदे मातरम्' और 'जन गण मन' दोनों पर विचार हुआ।

अंततः 'जन गण मन' को राष्ट्रगान घोषित किया गया, पर 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला —

क्योंकि वह भारतीय आत्मा की भावनाओं का प्रतीक था।

संविधान सभा में नेहरूजी, पट्टाभि सीतारमैया, और रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा 'वंदे मातरम् हमारे स्वाधीनता संग्राम का आत्मा का स्वर है।'

आज भले ही स्वतंत्रता को दशकों बीत गए हों, पर 'वंदे मातरम्' की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही जीवंत है।

यह गीत हमें स्मरण कराता है कि राष्ट्रभक्ति केवल भाषण नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति आस्था का भाव है।

जब कोई युवा 'वंदे मातरम्' उच्चारित करता है, तो वह अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है —

कि वह उसी धरती का पुत्र है, जिसने अनगिनत बलिदानों से आजादी पाई है।

वंदे मातरम् भारतमाता की प्रकृति, शक्ति, और करुणा तीनों रूपों की आराधना है।यह गीत कहता है कि हमारी भूमि ही हमारी माता है — जो हमें जल, अन्न, वायु, सौंदर्य, ज्ञान, बल और आशीर्वाद देती है।

इसमें भक्ति भी है, देशप्रेम भी, और मातृभाव भी।

कहने की आवश्यकता नहीं आज भी इस गीत का सुनना और गुनगुनाना देश प्रेम के बलिदानी के लिए रोम रोम पुलकित कर देता है।

इस गीत के सम्मान के लिए इतना ही कहना काफी है,

'जहाँ तलवार मौन हो जाए, वहाँ कलम बोलनी चाहिए।'

वंदे मातरम् के आज 150 वीं वर्षगांठ पर भारत मां के उस महान सपूत को कोटि कोटि प्रणाम!

आलेख : कुश मेहता
(स्वतंत्र पत्रकार)
साबरमती तट,अहमदाबाद (गुजरात)

क्या चिराग पासवान की सांसद शांभवी चौधरी ने 2-2 बार वोट दिया? वायरल वीडियो पर विपक्ष ने उठाया सवाल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद सियासी गलियारों में एक बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। एलजेपी-रामविलास की सांसद शांभवी चौधरी पर दो बार वोट डालने का गंभीर आरोप लगा है। मतदान के बाद उन्होंने अपने दोनों हाथों की एक-एक उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए थे, जिसके बाद कांग्रेस और आरजेडी ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और आरजेडी प्रवक्ता कंचना यादव ने एक्स पर वीडियो और तस्वीरें साझा करते हुए इसे 'अलग स्तर का फ्रॉड' बताया है और चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। यह घटना बिहार में चुनावी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

शांभवी चौधरी की 'दोनों उंगलियों पर स्याही' बनी विवाद का कारण

एलजेपी-रामविलास की सांसद शांभवी चौधरी की एक तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली पर लगी स्याही

दिखाती हुई नजर आ रही हैं। आमतौर पर, वोट डालने के बाद केवल एक उंगली पर स्याही लगाई जाती है। उनकी इस हरकत ने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और आरजेडी को हमलावर होने का मौका दे दिया है। यह घटना बुद्धा कॉलोनी स्थित सेंट पॉल स्कूल में हुए मतदान के बाद सामने आई, जहां शांभवी ने अपने पिता अशोक चौधरी और मां नीता चौधरी के साथ वोट डाला था।

कांग्रेस और फ्खऊ ने 'लोकतंत्र की धज्जियां' उड़ाने का आरोप लगाया

शांभवी चौधरी के 'दोनों उंगलियों पर स्याही' वाले वीडियो पर कांग्रेस और आरजेडी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए ठऊअ पर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। वहीं, आरजेडी प्रवक्ता कंचना यादव ने वीडियो पोस्ट कर इसे एक अलग ही स्तर का फ्रॉड बताया। उन्होंने दावा किया कि शांभवी ने दो बार वोट किया है और उनके पिता अशोक चौधरी उन्हें आंखों के इशारे से संकेत दे रहे थे। दोनों दलों ने चुनाव आयोग से इस गंभीर मामले की तत्काल जांच की मांग की है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

चुनाव आयोग पर बढ़ा दबावः क्या होगी 'डबल वोट' की जांच?

शांभवी चौधरी पर लगे 'डबल वोटिंग' के आरोपों ने चुनाव आयोग पर भारी दबाव बढ़ा दिया है। विपक्षी दल और सोशल मीडिया यूजर्स लगातार इस मामले की जांच की मांग कर रहे हैं।

यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह बिहार विधानसभा चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करेंगे।

जसप्रीत बूमराह ने रचा इतिहास, पाकिस्तानी खिलाड़ी का टूटा रिकॉर्ड!

(जीएनएस)।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में हराकर सीरीज में बढ़त बना ली है। सीरीज में शानदार वापसी करते हुए चौथा मैच भारत ने 48 रनों से जीत लिया। पहले मैच के धुल जाने और दूसरे में हार के बाद टीम इंडिया ने लगातार दो जीत दर्ज करके सीरीज में अहम बढ़त बना ली है। अब भारत की कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करने की होगी।

भारत ने 48 रनों से जीता मैच

6 नवंबर को कैरारा ओवल में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 167 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को केवल 119 रनों पर ही सीमित कर दिया और मैच आसानी से जीत लिया। जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजों की तारीफ की। इस तरह भारत ने चौथे

टी-20 मैच को 48 रनों से अपने नाम किया।

जीत के बाद क्या बोले कप्तान सूर्यकुमार यादव

जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि श्रेय पूरी तरह से सभी बल्लेबाजों को जाता है। जिस तरह से शुभमन और अभिषेक ने शुरूआत की, वे जानते थे कि यह 200-220 रन वाली पिच नहीं थी। उन्होंने बहुत समझदारी से बल्लेबाजी की। उन्होंने इस जीत को बल्लेबाजों का संपूर्ण टीम प्रयास बताया। भारतीय गेंदबाजों ने इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया।

बुमराह ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का रिकॉर्ड

भारत की जीत में कई गेंदबाजों का योगदान रहा, लेकिन स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अपने चार ओवरों में 27 रन देकर एक विकेट लेने के साथ ही बुमराह टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल को पीछे छोड़ दिया है। अब बुमराह के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 पारियों में 20 टी-20 विकेट हो गए हैं, जबकि अजमल ने 11 पारियों में 19 विकेट लिए थे।

'मेरे सीने के पास आए, पीरियड्स के बारे में पूछा', महिला क्रिकेटर के साथ शर्मनाक हरकत, चयनकर्ता पर गंभीर आरोप

बांग्लादेश की अनुभवी तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान जहांआरा आलम ने राष्ट्रीय टीम मैनेजमेंट पर 2022 वर्ल्ड कप के दौरान हुए बदसलूकी का आरोप लगाया है। न्यूजीलैंड के दौरान मैच अभद्र प्रस्ताव मिलने के चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। मानसिक स्वास्थ्य कारणों से ब्रेक लेने के बाद फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में रह रहीं 32 वर्षीय जहांआरा ने ये आरोप एक यू-ट्यूब चैनल पर दिए एक इंटरव्यू के दौरान लगाया।

पूर्व चयनकर्ता पर लगाए गंभीर आरोप

जहांआरा आलम ने मुख्य रूप से तत्कालीन महिला चयनकर्ता और मैनेजर मंजूरुल इस्लाम पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने मंजूरुल के 'अभद्र प्रस्ताव' को ठुकरा दिया तो उन्होंने उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए सही से खेलने नहीं दिया। आलम के अनुसार मंजूरुल ने 2022 वर्ल्ड कप के दौरान दूसरी बार उनसे संपर्क किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नेट्स में गेंदबाजी के दौरान मंजूरुल उनके कंधे पर हाथ रखते थे, उन्हें अपने सीने से दबाते थे और उनके कान के पास अपना मुंह ले आते थे।

जहांआरा ने आगे आरोप लगाया कि मंजूरुल इस्लाम ने उनसे उनकी 'पीरियड साइकिल' के बारे में बार-बार अस्वाभाविक तरीके से सवाल किए। उन्होंने कहा कि मंजूरुल ने उनसे सीधे पूछा कि उनका पीरियड आज कितने दिन चल रहा है, जबकि आईसीसी गाइडलाइन के तहत यह जानकारी केवल फिजियोथेरेपिस्ट या डॉक्टर के पास होनी चाहिए। आलम के मुताबिक जब उन्होंने मंजूरुल को पीरियड खत्म होने के बारे में बताने से मना किया तो उन्होंने अजीब तरह से प्रतिक्रिया दी, जो सामान्य नहीं था।

कोच ने आरोपों को बताया निराधार

जहांआरा ने यह भी कहा कि उन्होंने डेढ़ साल तक इन घटनाओं के बारे में पूर्व महिला समिति प्रमुख नादेल चौधरी को कई बार सूचित किया, लेकिन केवल अस्थायी समाधान मिला। उन्होंने बीसीबी के उएड निजामुद्दीन चौधरी को भी शिकायत करने का दावा किया, लेकिन उनकी शिकायतों को अनदेखा कर दिया गया। जब इन आरोपों के संबंध में मंजूरुल इस्लाम से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इन सभी दावों को 'निराधार' बताकर खारिज कर दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे ने 'वन्दे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'वन्दे मातरम' का पूर्ण संस्करण प्रस्तुत किया

मुंबई, 07 नवंबर, 2025

"एक गीत... एक राष्ट्र... एक भावना – वन्दे मातरम हम सबको जोड़ता है"

भारत के राष्ट्रीय गीत – "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवंबर, 2025 को चर्चगेट स्थि¨त पश्चिम रेलवे मुख्यालय में इस गीत के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह समारोह भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य समारोह के साथ आयोजित किया गया। मुख्यालय में यह कार्यक्रम पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया और इसमें प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ "वन्दे मातरम" गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव के अनुरूप हमारे राष्ट्रगीत के 150 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में राष्ट्र के प्रति एकता, सद्भाव और समर्पण के साझा आदर्शों की पुष्टि करने के लिए मुख्यालय कार्यालय, सभी मंडलों और कारखानों सहित पश्चिम रेलवे पर "वन्दे मातरम" का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ आयोजित किया गया और इसमें सभी स्तरों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो गर्व और देशभक्ति की भावना से इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

वर्ष 2025 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित "वन्दे मातरम" की रचना के 150 वर्ष पूरे हो जाएँगे। यह गीत अक्षय नवमी (7 नवंबर 1875) के दिन लिखा गया था और पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। दशकों से यह गीत भारत की स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव का अमर प्रतीक बन गया है।

इस सामूहिक पहल के माध्यम से पश्चिम रेलवे गर्वपूर्वक राष्ट्र के साथ इस ऐतिहासिक अवसर का उत्सव मनाते हुए, "वन्दे मातरम" की भावना के अनुरूप देशभक्ति¨ ा, सेवा एवं समर्पण के आदर्शों को सशक¨ त बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा अतिरिक्त यात्री यातायात की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स¨ पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस – दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस–दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 10 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे दुगार्पुरा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुगार्पुरा–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 9 नवंबर, 2025 को दुगार्पुरा से 12:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी–2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क¨ लास कोच होंगे।

ट्रेन 09730 की बुकिंग 08 नवम¨ बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद और बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते अहमदाबाद और बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 05262/05261 अहमदाबाद–बरौनी–अहमदाबाद स्पेशल (4 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 05262 अहमदाबाद–बरौनी स्पेशल 13 और 14 नवंबर 2025 को अहमदाबाद से 14:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 04.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 05261 बरौनी–अहमदाबाद स्पेशल 11 और 12 नवंबर 2025 को बरौनी से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 08.00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आनंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3 टियर इकॉनमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 05262 की बुकिंग 09 नवंबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे का रविवार, 09 नवम्बर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई, 07 नवंबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग तथा ओवर हेड उपस्करों के रख–रखाव हेतु रविवार, 09 नवंबर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच 10.00 बजे से 15.00 बजे तक अप तथा डाउन धीमी लाइनों पर पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ब्लॉक अवधि के दौरान धीमी लाइन की सभी उपनगरीय ट्रेनों को सांताक्रुज एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जायेगा। इसलिए, ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण विले पार्ले स्टेशन पर नहीं रुकेंगी और फास्ट लाइनों पर प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण राम मंदिर स्टेशन पर भी नहीं रुकेंगी। हालाँकि, हार्बर लाइन पर विले पार्ले और राम मंदिर स्टेशन पर सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा कुछ बोरीवली एवं अंधेरी ट्रेनों को हार्बर लाइन पर गोरेगाँव तक चलाया जाएगा।

इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी सभी स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गौरवशाली 150 वर्ष, वडोदरा मंडल पर रेलकर्मियों ने किया सामूहिक गायन

स्वतंत्रता संग्राम में देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की अलख जगाने वाले वन्दे मातरम की रचना आज से 150 वर्ष पूर्व हुई थी। भारत के राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में आज संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय, एकता नगर एवं वडोदरा स्टेशनों पर बड़ी संख्या में रेलकर्मियों ने उपस्थित रह कर राष्ट्र गीत का सामूहिक गायन किया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2025 में वंदे मातरम गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस राष¨ ट्रीय गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और सदा ही राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का अलख जगाता रहा है। राष्ट्रीय गीत "वन्दे मातरम" के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव के अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल कार्यालय में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज धमीजा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित हो कर नई दिल्ली में इस अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से मंडल कार्यालय में सामूहिक गायन किया और देशभक्ति को नमन¨ किया।

इसके साथ ही वडोदरा मंडल के एकता नगर एवं वडोदरा स्टेशन पर स्टेशन कर्मियों ने राष्ट्रभक्ति और एकता के प्रतीक राष्ट्रीय गीत का सामूहिक वाचन किया। मंडल पर इस समारोह का समन्वय एवं सफल आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री तेजराम मीना के नेतृत्व में कार्मिक विभाग की टीम द्वारा किया गया।

श्री सक्सेना ने आगे बताया कि श्री बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम अक्षय नवमी के पावन अवसर पर, 7 नवंबर 1875 को लिखा गया था। वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। मातृभूमि को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक बताते हुए इस गीत ने भारत की एकता और आत्मगौरव की जागृत भावना को काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी। यह गीत जल्द ही राष्ट्र के प्रति समर्पण का एक चिरस्थायी प्रतीक बन गया।

वडोदरा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ऑडियो संदेश एवं विशेष उद्घोषणाएं प्रसारित की जा रही हैं, साथ ही स्टेशनों पर लगे एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से भी 'वंदे मातरम' से संबंधित जानकारी आज से पूरे वर्षभर प्रदर्शित की जाएगी।

चिराग पासवान के हेलीकॉप्टर को क्यों नहीं मिली उड़ान की इजाजत? पीएम मोदी से की शिकायत, फिर क्या हुआ

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान उस समय सुर्खियों में आ गए, जब उन्हें एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) सिस्टम में तकनीकी खराबी के चलते अपने हेलीकॉप्टर में करीब 45 मिनट से ज्यादा इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अपनी तकलीफ बताई कि उनकी 9 सभाएं हैं और वे 1 घंटे से उड़ान की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान से बातचीत के बाद भी जब समस्या हल नहीं हुई, तो चिराग ने पीएम से संपर्क साधा। इस घटना ने न केवल बिहार में, बल्कि दिल्ली एयरपोर्ट पर भी ATC खराबी के चलते 100 से अधिक उड़ानों में देरी का मुद्दा उजागर किया है, जिससे यात्री खासे परेशान हुए। करीब 1 घंटे 22 मिनट बाद आखिरकार चिराग पासवान की उड़ान हो सकी।

हेलीकॉप्टर में फंसे चिराग ने PM मोदी को किया सीधे फोन

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान लोजपा (आर) अध्यक्ष चिराग पासवान को पटना एयरपोर्ट पर अपने हेलीकॉप्टर के लिए 45 मिनट से अधिक इंतजार करना पड़ा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण उड़ान की अनुमति नहीं मिल रही थी। पहले उन्होंने बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से संपर्क किया, जिन्होंने बताया कि

यह एक सामान्य समस्या है। लेकिन जब समस्या हल नहीं हुई, तो चिराग ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अपनी परेशानी बताई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा कि उनकी 9 सभाएं हैं और वे 1 घंटे से उड़ान के लिए बैठे हैं। यह घटना चिराग के पीएम मोदी के साथ सीधे संवाद को दर्शाती है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में खराबी से बढ़ी चुनावी चुनौती

चिराग पासवान के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने में हुई देरी सिर्फ एक व्यक्तिगत परेशानी नहीं थी, बल्कि इसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में एक बड़ी तकनीकी खराबी को उजागर किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम में गड़बड़ी आ गई थी, जिससे विमानों के टेकऑफ और लैंडिंग का डाटा साझा नहीं हो पा रहा था। इस खराबी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर भी 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई। चुनाव के व्यस्त समय में ऐसी तकनीकी दिक्कतें न केवल राजनेताओं के प्रचार शेड्यूल को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे एयर ट्रैफिक सिस्टम की दक्षता पर भी सवाल खड़े करती हैं।

ये भी पढ़ें: ईं१ ए'ी३ङ्ग्ल्ल 2025 ढँरी 1 श्ङ्ग३ल्लॅ ळ४१ल्लङ्ग४३: पहले चरण में मतदान 64% के पार, 143 शिकायतें, महिलाओं ने दिखाया दम

चिराग का दावाः पहले चरण में ठऊ्र को मिलेंगी 100 सीटें

लंबी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार बेतिया के लिए रवाना होने से पहले, चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों में से ठऊ्र गठबंधन 100 सीटें जीतने जा रहा है। चिराग ने यह भी बताया कि उनकी अपनी पार्टी, लोजपा (आर), जिन 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहाँ से भी बेहद सकारात्मक रिपोर्ट आ रही है। तकनीकी खराबी के कारण उड़ान में देरी के बावजूद, चिराग पासवान चुनावी जीत के प्रति आश्वस्त दिखे और उन्होंने अपने दावे के साथ मीडिया को संबोधित किया।

भावनगर रेल मंडल द्वारा पेंशनर्स हेतु डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शिविर का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के दिशा–निदेर्शों के अनुरूप पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन कम्युनिटी हॉल, भावनगर परा में किया गया। इस शिविर में 150 से अधिक पेंशनर्स ने भाग लिया। उन्हें डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने की। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (लेखा) श्री संजय सक्सेना तथा अऋ्र (ह&र), भावनगर वर्कशॉप श्री रतनेश कुमार उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री हुबलाल जगन ने कहा कि 'डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रणाली से पेंशनर्स को अत्यधिक सुविधा प्राप्त होती है, जिससे उन्हें बैंक या कार्यालय में बार–बार उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं रहती। यह व्यवस्था समय की बचत के साथ–साथ पारदर्शिता एवं सुगमता सुनिश्चित करती है।' उन्होंने सभी पेंशनर्स से इस डिजिटल सुविधा का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया।

श्री संजय सक्सेना एवं श्री रतनेश कुमार ने पेंशनर्स को डिजिटल प्रमाण पत्र पंजीकरण की तकनीकी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर ऑल इंडिया पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने मंडल प्रशासन के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए पेंशनर्स के हित में ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन का अनुरोध किया।

कार्यक्रम का समन्वयन मंडल कार्मिक विभाग द्वारा किया गया। शिविर के दौरान पेंशनर्स को 'जीवन प्रमाण पत्र' के डिजिटल पंजीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रदर्शन (डेमो) भी कराया गया।

भावनगर मंडल द्वारा आयोजित यह शिविर पेंशनर्स के हित में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ, जिससे रेलवे के पेंशनरों को डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं सुविधा दोनों प्राप्त हुईं।

भारत पर्व-2025 : स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर

वेस्ट मटीरियल से वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां बनाकर कलाकार राहुल श्रीवास बने आत्मनिर्भर

भारत पर्व में मेरी कला को मंच प्रदान कर सरकार ने आत्मनिर्भर कलाकारों को दी नई पहचान : राहुल श्रीवास

- मध्य प्रदेश की लोककला का प्रतिनिधित्व कर रहे राहुल श्रीवास बनाते हैं 40 प्रकार के वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां
- भारत पर्व–2025 में राहुल श्रीवास की सुरीली रचनात्मक यात्रा : वेस्ट मटेरियल से बनी वाद्ययंत्रों की प्रतिकृतियां बनी आकर्षण का केंद्र
- सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर में आयोजित 'भारत पर्व–2025' में राहुल श्रीवास की अनोखी कला देश की सांस्कृतिक एकता का संदेश देती है

गांधीनगर, 07 नवंबर : दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के परिसर में इन दिनों भारत की अनेकता में एकता की झलक देखने को मिल रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार और गुजरात सरकार के सहयोग से 1 से 15 नवंबर के दौरान एकता नगर में भव्य 'भारत पर्व' का आयोजन किया गया है। यहां देश के विभिन्न राज्यों की लोककला, संगीत और संस्कृति का एक साथ प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस उत्सव में मध्य प्रदेश के भोपाल शहर की अरेरा कॉलोनी निवासी वाद्ययंत्र की प्रतिकृति बनाने वाले कलाकार राहुल श्रीवास भी अपनी अनोखी कला से सभी का ध्यान आकर्शित कर रहे हैं। वे फर्नीचर के वेस्ट मटेरियल से तबला, ढोलक, हारमोनियम, सितार, वीणा, बीन, बांसुरी, जलतरंग, मृदंग, खंजरी, डफ, शंख, झालर, किरताल, सारंगी और शहनाई जैसे लगभग 40 प्रकार के वाद्ययंत्रों की छोटे आकार वाली प्रतिकृतियां बना रहे हैं। वाद्ययंत्रों की ये प्रतिकृतियां देखने में आकर्षक होने के साथ–साथ 'वोकल फॉर लोकल' की भावना का जीवंत उदाहरण भी हैं।

संगीत प्रेमी परिवार में जन्में राहुल श्रीवास ने मध्य प्रदेश की प्रयाग यूनिवर्सिटी से संगीत में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। प्रारंभ में वे संगीत कार्यक्रमों में हिस्सा लेते थे, लेकिन महंगे वाद्ययंत्र खरीदने की असमर्थता के कारण उन्होंने एक नई दिशा में सोचना शुरू किया।

राहुल कहते हैं, 'वाद्ययंत्रों की कीमतें बहुत अधिक होने के कारण उन्हें खरीदना मुश्किल था, इसलिए मैंने फर्नीचर के वेस्ट मटेरियल से छोटे वाद्ययंत्र बनाने की शुरूआत की। लोगों को ये वाद्ययंत्र काफी पसंद आए और धीरे–धीरे उनकी मांग बढ़ने लगी।'

इस प्रकार हाथ से बने वाद्ययंत्रों की बिक्री से उन्होंने अपनी आजीविका चलाई। आज से दशकों पहले शुरू हुआ यह छोटा प्रयास आज उनकी आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता का प्रतीक बन गया है।

20 महिलाओं को देते हैं रोजगार

वर्तमान में राहुल श्रीवास अपने परिवार के सहयोग से लगभग 20 महिलाओं को वाद्ययंत्रों की छोटी प्रतिकृतियां बनाने का काम सिखा रहे हैं और उन्हें रोजगार प्रदान कर रहे हैं। वे प्रतिमाह लगभग 30,000 रुपए कमाते हैं और अपने साथ जुड़ीं महिलाओं को दैनिक 300 रुपए का रोजगार प्रदान करते हैं। वे कहते हैं, 'मैं तो आत्मनिर्भर बन गया हूं, लेकिन मेरे लिए सच्चे संतोष की बात यह है कि मैं अपने साथ जुड़ीं महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बना पाया हूं।'

भारत पर्व में मध्य प्रदेश की कला का प्रतिनिधित्व

एकता नगर में भारत पर्व उत्सव के दौरान मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के समन्वय से राज्य सरकार ने राहुल श्रीवास को एक विशेष स्टॉल आवंटित किया है, जहां वे अपने वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन और बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की ओर से बहुत ही अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने गुजरात सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन से हमारे जैसे छोटे उद्योगकारों को एक बड़ा मंच उपलब्ध हुआ है।

उनके स्टॉल पर देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटक उत्साहपूर्वक आते हैं। छोटे आकार के वाद्ययंत्रों का आकर्षण हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है।

राहुल की कला बनी आत्मनिर्भर भारत के सपने का प्रतिबिंब

राहुल श्रीवास की कला केवल एक व्यवसाय ही नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने का प्रतिबिंब भी है। वेस्ट मटेरियल से कलात्मक और उपयोगी वाद्ययंत्र बनाने की उनकी शैली 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' के संदेश को जीवंत करती हैं।

एकता नगर के इस भारत पर्व–2025 के दौरान राहुलभाई जैसे कलाकार भारत की हस्तकला, लोकसंगीत और आत्मनिर्भरता की भावना को उजागर कर रहे हैं।

ममता बनर्जी : बंगाल के स्कूलों में गाना होगा 'बांग्लार माटी', ममता दीदी के इस आदेश के पीछे क्या है राजनीति?

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं उससे पहेल ही राज्य का राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है। खास तौर पर बंगाल में रक्र को लेकर ममत दीदी ने केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोला है।

इसी बीच राज्य सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में हर सुबह की एसेंब्ली में राज्य गीत 'बांग्लार माटी, बांग्लार जल' को अनिवार्य कर दिया है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला....

राज्य ने क्या कहा?

राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस संबंध में सभी उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में कहा गया है कि अब से हर सुबह की प्रार्थना सभा में राज्य गीत का नियमित रूप से गायन अनिवार्य होगा। शिक्षा विभाग का कहना है कि यह पहल राज्य की सांस्कृतिक पहचान और एकता के प्रतीक के रूप में की गई है।

राज्य सरकार का मानना है कि यह कदम न केवल बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देगा, बल्कि विद्यार्थियों में राज्य की पहचान, इतिहास और एकता की भावना को भी मजबूत करेगा। शिक्षा मंत्री बसु ने कहा, रवींद्रनाथ टैगोर के शब्द सिर्फ कविता नहीं हैं, बल्कि बंगाल की आत्मा की आवाज हैं। इन्हें रोज गाकर बच्चे अपने राज्य और उसकी मिट्टी से भावनात्मक जुड़ाव महसूस करेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 6 नवंबर को जारी यह आदेश ऐसे समय में आया है जब राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक तनातनी चल रही है। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने असम कांग्रेस के एक नेता की गिरफ्तारी की भी आलोचना की, जिन्हें रवींद्रनाथ टैगोर के ही एक अन्य गीत 'आमार सोनार बांग्ला' (जो वर्तमान में बांग्लादेश का राष्ट्रगान है) गाने पर हिरासत में लिया गया था।

राज्य गीत 'बांग्लार माटी' का क्या है इतिहास?

राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा 1905 में लिखा गया यह गीत बंगाल की आत्मा और अस्मिता का प्रतीक है। यह गीत ब्रिटिश शासन के दौरान बंगाल विभाजन के विरोध में उठी राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा था। बसु ने कहा, "यह प्रसिद्ध गीत अब बंगाल के प्रत्येक सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल में हर दिन की शुरूआत में गाया जाएगा। राज्य गीत और राष्ट्रगान का संयुक्त गायन सामाजिक और सांप्रदायिक एकता को मजबूत करेगा।"

'बांग्लार माटी, बांग्लार जल' टैगोर की वह रचना है, जो बंगाल की मिट्टी, उसकी संस्कृति और मानवीय एकजुटता का प्रतीक मानी जाती है। 1905 में जब ब्रिटिश सरकार ने बंगाल का विभाजन किया था, तो टैगोर ने इस गीत को बंगाली अस्मिता के

कैसे बना 'बांग्लार माटी' राज्य गीत

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सितंबर 2023 में एक नागरिक सम्मेलन आयोजित किया था, जिसमें बंगाल के लिए उपयुक्त राज्य गीत चुने जाने पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं और समाज के प्रमुख नागरिकों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से 'बांग्लार माटी, बांग्लार जल' को राज्य गीत के रूप में स्वीकार किया गया। उसी वर्ष राज्य विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर इसे आधिकारिक रूप से राज्य गीत घोषित किया।

इसके बाद सरकार ने आदेश जारी कर यह सुनिश्चित किया कि राज्य गीत को राष्ट्रगान के साथ सभी राजकीय कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से गाया जाए। अब यह आदेश शिक्षा जगत तक भी विस्तारित कर दिया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस आदेश का उद्देश्य "सांस्कृतिक एकजुटता और बंगाली पहचान को पुनः सुदृढ़ करना" है।

बीना विधायक निर्मला सप्रे को हाईकोर्ट का नोटिस, 16 महीने बाद सभापति पर सवाल- उमंग सिंघार की याचिका, जानिए

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश विधानसभा में दल-बदल कानून की कसौटी पर एक बार फिर बीना सीट की विधायक निर्मला सप्रे का मामला गरमाया है। माननीय उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ जबलपुर ने गुरुवार (6 नवंबर 2025) को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधानसभा सभापति नरेंद्र सिंह तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी कर दिया।

सभापति पर 16 महीने से याचिका पर फैसला न लेने का सवाल उठा, जिस पर मुख्य न्यायाधीश संजीव सच्चदेवा ने महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से पूछा - "याचिका पर निर्णय क्यों नहीं लिया गया?" यह नोटिस अनुच्छेद 191(2) और दसवीं अनुसूची के तहत दल-बदल याचिका का निराकरण न करने पर आधारित है। सुप्रीम कोर्ट के 'पाडी कौशिक रेड्डी ५२ तेलंगाना राज्य' और 'केशम ५२ मणिपुर राज्य' के फैसलों का हवाला देते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिका पर 3 महीने में फैसला अनिवार्य है।

उमंग सिंघार की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने तर्क दिया कि सभापति पक्षपाती हैं। अगली सुनवाई 18 नवंबर को रखी गई है। यह मामला न केवल बीना सीट पर उपचुनाव की संभावना जगाएगा, बल्कि मध्य प्रदेश में दल-बदल की राजनीति पर सवाल खड़े करेगा। आइए, जानते हैं इस पूरे विवाद की पूरी दास्तां - दल-बदल से हाईकोर्ट तक, और राजनीतिक प्रभाव।

दल-बदल का विवादः निर्मला सप्रे का इखढ में शामिल होना, कांग्रेस का विरोध

निर्मला सप्रे (उम्र 47 वर्ष), बीना विधानसभा क्षेत्र (सागर जिला) से 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनी गईं। वे अनुसूचित जाति (रउ) से हैं और परिवार की पहली महिला विधायक बनीं। लेकिन 5 मई 2024 को लोकसभा चुनाव के बीच उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में सागर के राहतगढ़ में भाजपा का दामन थाम लिया। सप्रे ने कहा, "कांग्रेस में रहना असंभव था, भाजपा में सेवा का मौका मिला।"

भाजपा ने उनका स्वागत किया, और वे पार्टी की बैठकों में सक्रिय रहीं। लेकिन सप्रे ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया, जिससे वे तकनीकी रूप से कांग्रेस विधायक बनी रहीं।

इस पर कांग्रेस ने तुरंत विरोध जताया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 5 जुलाई 2024 को सभापति नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष दल-बदल याचिका दाखिल की। याचिका में कहा गया कि सप्रे ने कांग्रेस की सदस्यता स्वेच्छा से त्याग दी, जो दसवीं अनुसूची पैरा 2(1)(क) के तहत अयोग्यता का आधार है। अनुच्छेद 191(2) के अनुसार, दल-बदल पर सदस्यता रद्द होनी चाहिए। सिंघार ने साक्ष्य के रूप में सप्रे की प्रेस कॉन्फ्रेंस, सोशल मीडिया पोस्ट और भाजपा नेताओं के स्वागत ट्वीट्स संलग्न किए। लेकिन सभापति ने 16 महीने बाद भी फैसला नहीं लिया, जिससे सिंघार ने हाईकोर्ट की शरण ली।

हाईकोर्ट में सुनवाईः सभापति पर सवाल, नोटिस जारी - 18 नवंबर को अगली तारीख

माननीय उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ जबलूर में मुख्य न्यायाधीश संजीव सच्चदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने याचिका पर सुनवाई की। सिंघार की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने तर्क दिया, "सभापति पक्षपाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दल-बदल याचिका पर 3 महीने में फैसला अनिवार्य है। 16 महीने बीत चुके, यह संवैधानिक उल्लंघन है।" उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 'पाडी कौशिक रेड्डी ५२ तेलंगाना राज्य' (2023) और 'केशम ५२ मणिपुर राज्य' (2020) के फैसलों का हवाला दिया, जहां 3 महीने की समयसीमा तय की गई।

मुख्य न्यायाधीश ने महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से सवाल किया, "आखिर सभापति ने 16 महीने बीत जाने के पश्चात भी याचिका पर निर्णय क्यों नहीं लिया?" महाधिवक्ता ने कहा, "सभापति स्वतंत्र हैं, लेकिन कोर्ट दखल दे सकता है।" तर्कों से संतुष्ट होकर कोर्ट ने सभापति नरेंद्र सिंह तोमर और सप्रे को नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई 18 नवंबर 2025 को रखी गई। कोर्ट ने राज्य सरकार को भी पक्षकार बनाया।

यह मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में भी गया था, लेकिन वहां क्षेत्राधिकार के आधार पर खारिज हो गया। सिंघार ने कहा, "सभापति ने याचिका को दबा रखा है। कोर्ट से न्याय मिलेगा।"

दल-बदल कानून का पृष्ठभूमिः दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता - सुप्रीम कोर्ट के फैसले

भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची (1985) दल-बदल रोकने के लिए बनी। पैरा 2(1)(क) कहता है - यदि विधायक स्वेच्छा से पार्टी सदस्यता त्याग दे, तो अयोग्य। अनुच्छेद 191(2) सदस्यता रद्द करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में सभापति पर समयबद्ध फैसला लेने का दबाव डाला। 'केशम ५२ मणिपुर राज्य' में 3 महीने की समयसीमा तय की। 'पाडी कौशिक रेड्डी' में कहा गया, "देरी से लोकतंत्र कमजोर होता है।" मध्य प्रदेश में दल-बदल के कई मामलेः 2023 चुनावों में 4 कांग्रेस विधायक भाजपा में आए, लेकिन सप्रे का मामला पहला जहां कोर्ट पहुंचा।

राजनीतिक प्रभावः बीना उपचुनाव की संभावना, कांग्रेस का जश्न, भाजपा चुप

कांग्रेस में खुशी की लहर। सिंघार ने कहा, "नोटिस जारी होना सभापति पर दबाव है। सप्रे को अयोग्य घोषित करेंगे।" प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ट्वीट किया, "दल-बदल कानून का सम्मान। भाजपा को उपचुनाव लड़ना पड़ेगा।" बीना (रउ आरक्षित) में 2023 में सप्रे ने 6,155 वोटों से जीत हासिल की। उपचुनाव में कांग्रेस मजबूत दावेदार।

भाजपा चुप्पी साधी। प्रवक्ता ने कहा, "कोर्ट का फैसला मानेंगे। सप्रे ने इस्तीफा नहीं दिया।" लेकिन पार्टी में चिंता - उपचुनाव हार से सागर संभाग प्रभावित। सप्रे ने कहा, "मैं कांग्रेस में ही हूं। याचिका राजनीतिक है।"

किसान और क्षेत्रीय प्रभावः बीना में किसान आंदोलन, सिंघार की लोकप्रियता

बीना सागर जिले का महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां किसान आंदोलन सक्रिय। सिंघार (गंधवानी विधायक) आदिवासी नेता हैं, और यह याचिका उनकी छवि मजबूत करेगी।

दल-बदल पर कोर्ट की नजर, 18 नवंबर का फैसला

निर्मला सप्रे का मामला मध्य प्रदेश में दल-बदल राजनीति का आईना है। हाईकोर्ट का नोटिस सभापति पर दबाव डालेगा। 18 नवंबर को अगली सुनवाई - उपचुनाव की घंटी बज सकती है। सिंघार की जीत कांग्रेस को ताकत देगी। क्या सप्रे की सदस्यता रद्द होगी? समय बताएगा, लेकिन लोकतंत्र की जीत निश्चित।

बद्रीनाथ धाम में विशेष पूजा को लेकर रावल के ऐतराज से मचा हड़कंप, जानिए क्या है पूरा मामला और नए नियम

(जीएनएस)।

बद्रीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। बदरीनाथ में विशेष पूजा को लेकर रावल के ऐतराज से हड़कंप मचा हुआ है। जिसके बाद मंदिर समिति की ओर से एक नया आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सीईओ की अनुमति से ही पूजाओं में श्रद्धालु बैठ सकते हैं।

बद्रीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में नया विवाद सामने आया है। बदरीनाथ के रावल अमरनाथ नंबूदरी ने महाभिषेक व अन्य पूजाओं में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर गंभीर आपत्ति जताई है। रावल के ऐतराज के बाद अब मंदिर समिति के अध्यक्ष समेत किसी भी माध्यम से आने वाले अतिथियों को सीईओ के संज्ञान में लाने के बाद ही पूजाओं में बिठाया जाएगा।

बदरीनाथ धाम में महाभिषेक व अभिषेक पूजाओं के लिए क्रमशः 4700 व 4500 रुपए का शुल्क लिया जाता है। इसके अलावा अन्य आरतियों के लिए भी अलग शुल्क निर्धारित है। यह पूजाएं ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से बुक होती हैं।

सूत्रों के मुताबिक वीआईपी के नाम पर बड़ी संख्या में लोग बिना शुल्क दिए महाभिषेक व अभिषेक पूजाओं में बैठा दिए जाते हैं। बिना शुल्क वाले आगे बैठ जाते हैं और जो लोग शुल्क देकर पूजा बुक करवाते हैं उन्हें पीछे बैठना पड़ता है।

बताया जा रहा है कि इस पर रावल अमरनाथ नंबूदरी ने कड़ी आपत्ति जताई है और सीईओ विजय थपलियाल से इस संबंध में वार्ता की। रावल की नाराजगी के बाद सीईओ ने मंदिर अधिकारी समेत अन्य कार्मिकों को लिखित में एक आदेश जारी किया है।

जिसमें रावल के साथ हुई वार्ता का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि मंदिर समिति के अध्यक्ष समेत किसी भी माध्यम से आने वाले अतिथियों को सीईओ के संज्ञान में लाने के बाद ही पूजाओं में बिठाया जाए। रावल की नाराजगी के बाद धाम में दर्शनों व पूजा के नाम पर हो रहे खेल और अव्यवस्थाओं को लेकर तमाम तरह की चचार्एं हो रही हैं।

कंगाल पाकिस्तान अब हो जाएगा मालामाल, तरबेला बांध में मिला 636 अरब डॉलर का खजाना, क्या है सच्चाई?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान में एक बार फिर सोने की खदान मिलने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है, और इस बार यह दावा सीधे तरबेला बांध से जुड़ा है। पाकिस्तान फेडरल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हनीफ गौहर ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस बांध में 636 अरब डॉलर मूल्य का सोना छिपा है, जिसे तत्काल निकालने की आवश्यकता है।

उनके इस दावे ने पाकिस्तान की सेना और सरकार के भीतर बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। यह खबर ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। हालांकि, देश में पहले भी सोने के बड़े दावों का इतिहास रहा है, पर अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं मिला। क्या इस बार तरबेला का दावा सच होगा या यह भी सिर्फ एक और अटकल है?

तरबेला बांध में छिपे $636 अरब के सोने का दावा

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सिंधु नदी पर बना तरबेला बांध, जो दुनिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध है और देश की 16% बिजली आपूर्ति करता है, अब अरबों डॉलर के सोने के दावे का केंद्र बन गया है। हनीफ गौहर का कहना है कि उन्होंने जो सैंपल लिए हैं, उनसे 636 अरब डॉलर के सोने की पुष्टि हुई है। इस दावे ने सेना और सरकार को हरकत में ला दिया है। यह दावा पाकिस्तान के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, लेकिन इसके साथ ही संदेह भी गहरा रहा है, क्योंकि अतीत में भी ऐसे कई दावे खोखले साबित हुए हैं।

तरबेला बांधः पाकिस्तान का ऊर्जा केंद्र और सोने का 'नया अड्डा'?

तरबेला बांध, जिसका निर्माण 1968 से 1976 के बीच हुआ था, पाकिस्तान की ऊर्जा सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। सिंधु नदी पर स्थित यह बांध न केवल बिजली उत्पादन करता है बल्कि देश की कृषि को भी सहायता देता है। अब इसी रणनीतिक महत्व वाले स्थान पर सोने की खदान का दावा किया गया है। यदि यह दावा सच होता है, तो तरबेला सिर्फ ऊर्जा का नहीं, बल्कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बदलने वाला सोने का नया केंद्र बन जाएगा। हालांकि, इसकी भूवैज्ञानिक व्यवहार्यता और खनन की चुनौतियों पर अभी विस्तृत शोध और विशेषज्ञ राय की आवश्यकता है।

पाकिस्तान में सोने के दावों का लंबा और निराशाजनक इतिहास

पाकिस्तान में सोने के बड़े दावों का इतिहास काफी लंबा रहा है, लेकिन अब तक कोई भी दावा ठोस परिणामों में तब्दील नहीं हो पाया है। जनवरी 2025 में पंजाब के खनिज मंत्री ने अटक जिले में 700 अरब पाकिस्तानी रुपये के सोने का दावा किया था, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2015 में चिनयोट में सोना मिलने की बात कही गई, पर वह लौह अयस्क निकला। 2021 में अटक में स्थानीय लोगों ने सिंधु किनारे खुदाई की, पर सरकारी जांच में कुछ नहीं मिला। ये उदाहरण तरबेला के नए दावे पर संदेह पैदा करते हैं, क्योंकि देश को पहले भी ऐसे "सोने के सपने" दिखाए गए हैं जो पूरे नहीं हुए।

क्या इस बार सच होगा तरबेला का 'गोल्डन ड्रीम'?

तरबेला बांध में 636 अरब डॉलर के सोने का यह नया दावा पाकिस्तान के लिए आर्थिक मुक्ति का सपना दिखा रहा है, लेकिन अतीत के निराशाजनक अनुभवों को देखते हुए इसकी सच्चाई पर सवाल उठना लाजिमी है। हनीफ गौहर के सैंपल और उनके बयान के बाद सेना के भीतर हुई बैठकें इस दावे को कुछ गंभीरता तो देती हैं, पर विशेषज्ञों को अभी भी वैज्ञानिक प्रमाणों का इंतजार है। यदि यह दावा सच साबित होता है, तो यह पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। अन्यथा, यह केवल "सोने के सपनों" की लंबी श्रृंखला में एक और कड़ी बन कर रह जाएगा।

हिंदू रीति रिवाजों से हुआ जरीन खान का अंतिम संस्कार, बेटे ने दी मुखाग्नि?

(जीएनएस)।

प्रसिद्ध इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान की मां और अभिनेता संजय खान की पत्नी जरीन खान (कतरक) का 7 नवंबर 2025 को निधन हो गया। 81 वर्ष की उम्र में उन्होंने मुंबई स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। जरीन लंबे समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर के बाद बॉलीवुड जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

अंतिम संस्कार पारसी परंपराओं के अनुसार किया गया

जरीन खान का अंतिम संस्कार हिंदू नहीं, बल्कि पारसी रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया। हालांकि, वह जन्म से एक मुस्लिम पश्तून परिवार से थीं, लेकिन उनकी शादी संजय खान से हुई थी, जो एक पारसी परिवार से संबंध रखते हैं। परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार, जरीन खान स्वयं भी पारसी रीति-रिवाजों का पालन करती थीं, और इसी कारण उनके अंतिम संस्कार का निर्णय इसी परंपरा के अनुरूप लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, खान परिवार ने पारसी धर्म की पारंपरिक रस्मों के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। यह निर्णय पूरी तरह से पारिवारिक सहमति से लिया गया था।

विवाह के बाद अपनाई पारसी जीवनशैली

जरीन खान ने 1966 में अभिनेता-निमार्ता संजय खान से विवाह किया था। शादी के बाद उन्होंने अपने पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पारसी परंपराओं को अपनाया। हालांकि उनका मायका मुस्लिम परिवार से था, मगर उन्होंने अपने पति की पारिवारिक आस्था और मान्यताओं का पूरा सम्मान किया। उनकी चार संतानें हैं- सुजैन खान, जायेद खान, सिमोन अरोड़ा और फराह अली खान। सभी बच्चों ने भी पारसी और इस्लामी परंपराओं का सम्मिश्रण अपने जीवन में बनाए रखा है।

जरीन खान के निधन की खबर मिलते ही बॉलीवुड की कई हस्तियां श्रद्धांजलि देने उनके घर पहुंचीं। शबाना आजमी, नीलम कोठारी, रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी सहित कई सितारों को संजय खान के निवास पर देखा गया। सोशल मीडिया पर भी फैन्स और सेलेब्रिटीज ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बता दें, जरीन कतरक सिर्फ एक स्टार पत्नी या मां नहीं थीं, बल्कि अपने दौर की जानी-मानी मॉडल और अभिनेत्री भी थीं।

ब्राजीलियन गर्ल के बाद इस लड़की ने बजाई कांग्रेस की बैंड! बिहार 'वोट-चोरी' दावों की खोली पोल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग के बीच 'वोट चोरी' का विवाद फिर गरमाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हरियाणा चुनाव में लगाए गए फर्जी वोटर्स के आरोपों के बाद अब सोशल मीडिया पर पुणे की एक खूबसूरत लड़की की स्याही लगी उंगली वाली सेल्फी वायरल हो गई। कांग्रेस समर्थकों ने इसे 'दूसरा सबूत' बताते हुए दावा किया कि यह महिला महाराष्ट्र में वोट डालने के बाद बिहार में भी 'मोदी-युक्त भारत' के लिए वोट डाल रही है।

लेकिन डल्ल्रील्ल्र्लिल्ल्र् की ॠअउळ उल्रएउङ से साफ हो गया कि यह दावा फर्जी है। आइए, जानते हैं कैसे राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम से निकली 'ब्राजीलियन मॉडल' की तरह, इस बार भी कांग्रेस के दावों में कहां गड़बड़ी है?

6 नवंबर 2025 को उर्मि ने (पूर्व में ट्विटर) पर एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उनकी दाहिनी उंगली पर अमिट स्याही (इनडेलिबल इंक) लगी दिख रही थी। कैप्शन थाः 'श्ङ्ग३ीाङ्ग१ ' टङ्ग-ॅ्रीाी क्ल्र्ी! जय के वोट डाली, बिहार! ॠङ्क श्ङ्ग३ी!!' (अर्थ हैः- मोदी-युक्त भारत के लिए वोट किया। जाइके वोट डाली, बिहार! जाओ वोट दो)। यह पोस्ट बिहार के पहले चरण की वोटिंग के ठीक बीच में आई, जब टोटल टर्नआउट 60% से ऊपर पहुंच चुका था।

कांग्रेस के दावे- 'अबकी बार बिहार वोट चोरी'

विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं ने इसे 'बहुराज्यीय वोटिंग' का सबूत ठहराया। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रवक्ता

अतुल लोंधे पाटिल ने उर्मि के इस मोटिवेशन के स्क्रीनशॉट्स शेयर करके व्यंग्य में लिखाः- 'मैं लोकसभा में महाराष्ट्र में वोट दूंगी। विधानसभा में बिहार में। मोदी के लिए वोट चुराऊंगी।' वे पुरानी पोस्ट्स भी खोज लाए- 13 मई 2024 को उर्मि ने पुणे में वोटिंग की सेल्फी शेयर की थीः- दावाः एक ही महिला दो राज्यों में वोट डाल रही है, जो 'वोट चोरी' का पैटर्न है।

वहीं, RJD प्रवक्ता प्रियंका भारती ने कहा- '2024 में महाराष्ट्र में वोट, 2025 में बिहार में। मैडम ने खुलेआम लिखा 'मोदी का भारत' बनाना चाहती हैं। सिस्टम भाजपा का है!' कांग्रेस की सोशल मीडिया समन्वयक रेशमा आलम ने ट्वीट कियाः 'बहु-राज्यीय मतदान नया स्टार्टअप है। निवेशकः भाजपा। उत्पादः फर्जी जनादेश।

कांग्रेस के दावे फुस्स, सिर्फ मोटिवेशनल निकली पोस्ट

वायरल होने के बाद उर्मि ने तुरंत क्लैरिफिकेशन पोस्ट कियाः- यह सिर्फ प्रेरणा के लिए था। मैंने कभी नहीं कहा कि आज वोट किया- मैंने कहा कि वोट किया। सब जानते हैं महाराष्ट्र में था। शांत हो जाओ! प्रेरित हो गए? अब बिहार की बारी, जाओ वोट दो! यह पोस्ट 6 नवंबर को ही वायरल हुई, लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर 2024 में हुए थे- उर्मि का पुराना वोट (मई 2024 लोकसभा) था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उर्मी ने अपने ही राज्य में दिया वोट

आपको बता दें कि उर्मि के (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट को खंगालने पर सामने आया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर 2024 में उर्मी ने अपने ही राज्य में अपने बूथ पर ही मतदान किया था। उसकी फोटो उन्होंने साझा की थी।